

परमेश्वर मुझसे 28 तरीकों से प्रेम करता है

युवा पाठकों के लिए बाइबल

पाठ 25 — तैयार हो जाओ!

मैं पढ़ सकता हूँ — वचन

“देखो, यीशु बादलों के साथ आ रहे हैं! हर कोई उन्हें देखेगा। ... हाँ, ऐसा ही होगा!”

— प्रकाशितवाक्य 1:7, 8

मेरी कहानी

ताशा अपने कमरे के दरवाजे पर खड़ी होकर भौंहेँ सिकोड़ रही थी। उसने मन ही मन सोचा, “यह तो बिल्कुल ठीक नहीं है। मुझे बहुत कुछ बदलना पड़ेगा।” माँ ने उसे बताया था कि आंटी डोरोथी उससे मिलने आ रही हैं और रात का खाना खाने के तुरंत बाद पहुँच जाएँगी। यह सुनकर ताशा हमेशा बहुत खुश हो जाती थी, क्योंकि वह आंटी डोरोथी से बहुत प्रेम करती थी। जब भी वे बड़े शहर से गाँव में उनके साथ कुछ समय बिताने आती थीं, ताशा को उनके साथ रहना बहुत अच्छा लगता था। आंटी डोरोथी ताशा की पसंदीदा किताबों में से कहानियाँ पढ़ती थीं और उसके साथ घर के पीछे के जंगल में लंबी सैर पर जाती थीं। वे पक्षियों का गाना सुनतीं और ऊपर पेड़ों की डालियों पर गिलहरियों को खेलते हुए देखतीं। कभी-कभी वे दोपहर का खाना भी साथ बनाकर झील तक पैदल जातीं और वहाँ बैठकर खाते थीं। हाँ, आंटी डोरोथी धरती पर ताशा के सबसे पसंदीदा लोगों में से एक थीं। लेकिन एक समस्या थी। आंटी डोरोथी हमेशा ताशा के कमरे में सोती थीं। तब ताशा को कुत्ते के साथ बैठक के सोफे पर सोना पड़ता था। ताशा का कमरा ऐसा दिखाई दे रहा था, जैसे वहाँ से तूफान गुजर गया हो। आंटी डोरोथी को चीजें साफ-सुथरी और व्यवस्थित पसंद थीं। लेकिन इस समय ताशा का कमरा बिल्कुल भी वैसा नहीं था। ताशा ने उत्साह से मुस्कुराते हुए अपनी आस्तीनें ऊपर चढ़ाई और काम में लग गई। उसने कुर्सी पर पड़े अपने सारे गंदे कपड़े उठाए और उन्हें कपड़े धोने वाले कमरे में ले गई। फिर उसने कूड़ेदान खाली किया। तब उसे पता चला कि उसे पिछली बार क्रिसमस के समय खाली किया गया था, क्योंकि उसमें अभी भी बर्फ के इलाके के में रहने वाले आदमियों की तस्वीरों के साथ कुछ पुराने उपहारों के कागज पड़े थे। जब उसने अपनी मेज को साफ किया, तो उसे वह कंधी मिल गई जिसे वह तीन सप्ताह से ढूँढ़ रही थी। ताशा ने पूरी दोपहर मेहनत करके कमरा साफ किया। उसने झाड़ू लगाई, धूल साफ की, वैक्यूम क्लीनर चलाया और चीजों को चमकाया। जब भी वह थक जाती, तो आंटी डोरोथी के बारे में सोचती और यह सोचकर खुश होती कि वे दोनों मिलकर कितना अच्छा समय बिताने वाली हैं। और फिर वह दोबारा काम में लग जाती। आखिरकार उसका कमरा नए सिक्के की तरह चमकने लगा।

कोने में रखे कागजों के ढेर गायब हो गए। बिस्तर के नीचे छिपे कैंडी के खाली पैपर और पुराने गत्ते के डिब्बे गायब हो गए। पिछले सप्ताह पहनी हुई फटी हुई पैंट और पसीने से भीगी टी-शर्ट भी वहाँ नहीं थीं। उसके द्वारा शुरू किए गए लेकिन कभी पूरे न किए गए हस्तशिल्प के सामान भी हटा दिए गए। अब वहाँ केवल एक ऐसा साफ-सुथरा कमरा था, जो एक प्यारे और सम्मानित मेहमान के स्वागत के लिए तैयार था। माँ ने ताशा का साफ किया हुआ कमरा देखकर आश्चर्य से कहा। “वाह! तुम्हारे कमरे में तो कालीन भी है, मैं तो भूल ही गई थी कि यहाँ कालीन भी है। और देखो, तुमने बिस्तर को कितना अच्छा बनाया है। इसमें एक भी

सिलवट नहीं है। आंटी डोरोथी बहुत खुश होंगी।” उस शाम बाद में, जब आंटी डोरोथी और ताशा नए साफ किए हुए कमरे में बैठकर पास की अलमारी में व्यवस्थित रखी किताबों से कहानियाँ पढ़ रही थीं, तब ताशा को अपने पिताजी की कही हुई एक बात याद आई।

आराधना के समय पिताजी ने कहा था, “यीशु जल्द ही आने वाले हैं। क्या हम उनसे मिलने के लिए तैयार हैं?” ताशा को समझ में आया कि जिस तरह उसने आंटी डोरोथी के आने के लिए अपना कमरा तैयार किया था, उसी तरह उसे भी यीशु के इस पुरानी पृथ्वी पर वापस आने के लिए तैयार होना चाहिए। वह कैसे? अपने बुरी आदतों को “साफ करके”, अपने शरीर को जितना हो सके उतना स्वस्थ रखने की कोशिश करके और यह सोचकर कि यीशु के साथ स्वर्ग में रहना कितना अद्भुत होगा।

वह जानती थी कि तैयार होने के लिए मेहनत करनी पड़ सकती है। लेकिन यह मेहनत पूरी तरह सार्थक होगी।

मज़ेदार बातें

साफ कपड़े

- ज्यादातर कपड़ों को धोने के लिए आपको साबुन की भी आवश्यकता नहीं होती। वॉशिंग मशीन में कपड़ों के लगातार हिलने-डुलने से अक्सर वे अपने आप साफ हो जाते हैं।
- सूरज की रोशनी कपड़ों को सफेद करने और कीटाणुओं को नष्ट करने में मदद करती है।

मेरी बाइबल

दिए गए वचनों में अक्षरों को **सही क्रम में लगाकर** प्रश्नों के उत्तर खोजें। यदि आपको सहायता चाहिए, तो ये वचन **पुस्तकालय** में भी दिए गए हैं। लेकिन पहले कोशिश करें कि आप बिना किसी सहायता के अक्षरों को सही क्रम में लगा सकें।

जब यीशु अपने शिष्यों को छोड़कर अपने पिता के साथ रहने के लिए स्वर्ग लौट गए, तब उन्होंने एक वादा किया। उन्होंने क्या कहा?

“मेरे जाने और तुम्हारे लिए एक स्थान तैयार करने के बाद, मैं _____ (LILW) _____ (MECO) _____ (AKBC)”
(यूहन्ना 14:3)

यीशु जब वापस आएँगे, तो वह कैसा दिखाई देगा?

“देखो, यीशु _____ (DUSLOC) के साथ आ रहे हैं।”
(प्रकाशितवाक्य 1:7)

यीशु जब वापस आएँगे, तब हम कौन-सी आवाज़ें सुनेंगे?

“एक ऊँची _____ (MMCDNAO) होगी, प्रधान स्वर्गदूत की _____ (ICOVE) के साथ और परमेश्वर की _____ (MPUTRTE) की आवाज़ के साथ।”
(1 थिस्सलुनीकियों 4:16)

यीशु जब इस पृथ्वी पर वापस आएँगे, तो उन्हें कौन देखेगा?

“_____ (OREVYNEE) उन्हें देखेगा।”

(प्रकाशितवाक्य 1:7)

कौन जानता है कि यीशु इस पृथ्वी पर कब वापस आएँगे?

“_____ (ON) _____ (NEO) _____ (WSKON) कि वह दिन या समय कब होगा। . . . केवल _____ (AFEHRT) जानता है।”

(मत्ती 24:36)

हमें यीशु के आने के लिए कब तैयार रहना चाहिए?

“_____ (SAYLAW) तैयार रहो।”

(मत्ती 24:42)

यीशु के आने के लिए तैयार होना

ऐसे तीन तरीके लिखिए जिनसे आप यीशु के आने के लिए तैयारी करना शुरू करेंगे।

शायद आप उस व्यक्ति के प्रति दयालु बनेंगे जो आपको परेशान करता है। शायद आप उस व्यक्ति को क्षमा करेंगे जिसने आपको चोट पहुँचाई है। या शायद आपको अपने शरीर—परमेश्वर के मंदिर—की बेहतर देखभाल करने की आवश्यकता है, ताकि आपका मन साफ और स्वस्थ रहे।

यीशु के आने के लिए मैं इस तरह तैयारी करना शुरू करूँगा:

- 1- मैं _____ करने जा रहा हूँ।
- 2- मैं _____ करने जा रहा हूँ।
- 3- मैं _____ करने जा रहा हूँ।

मेरी प्रार्थना

धन्यवाद, यीशु, इस पृथ्वी पर वापस आने का वादा करने के लिए, ताकि हम सभी को स्वर्ग ले जा सकें। मैं तैयार रहना चाहता हूँ। मेरी मदद करें कि मैं देख सकूँ कि आपके वापस आने पर आपका स्वागत करने के लिए मुझे क्या करना चाहिए। आमीन।

पुस्तकालय

“मेरे जाने और तुम्हारे लिए एक स्थान तैयार करने के बाद, मैं वापस आऊँगा।”
(यूहन्ना 14:3)

“देखो, यीशु बादलों के साथ आ रहे हैं!”

(प्रकाशितवाक्य 1:7)

“प्रधान स्वर्गदूत की आवाज़ और परमेश्वर की तुरही की आवाज़ के साथ एक ऊँची आज्ञा होगी।”
(1 थिस्सलुनीकियों 4:16)

“हर कोई उन्हें देखेगा।”
(प्रकाशितवाक्य 1:7)

“कोई नहीं जानता कि वह दिन या समय कब होगा। . . . केवल पिता जानता है।”
(मत्ती 24:36)

“हमेशा तैयार रहो।”
(मत्ती 24:42)

मेरी मित्र एलेन ने लिखा

“हमें उसके लिए मार्ग तैयार करना है, और उस महान दिन के लिए लोगों को तैयार करने में अपनी भूमिका निभानी है।”
(रिव्यू एंड हेरल्ड, 12 नवंबर, 1914)

हमें केवल यीशु के स्वागत के लिए स्वयं तैयार होने का प्रयास ही नहीं करना चाहिए, बल्कि हम दूसरे लोगों को भी तैयार होने में मदद करने की खुशी पा सकते हैं। हम उन्हें बता सकते हैं कि यीशु जल्द ही आने वाले हैं।

आप क्या सोचते हो

आप दूसरों को यीशु के वापस आने के लिए तैयार होने का प्रोत्साहन किन तरीकों से दे सकते हैं?